HIN1B04b - Exercices Leçon 23

Corrigé-type partiel

Rappel : placé avant le nom qu'il détermine, le participe se comporte comme un adjectif et s'accorde en genre (féminin~masculin), en nombre (singulier~pluriel), et sera au cas direct ou oblique suivant la fonction du nom.

Participe aspect inaccompli :

१) यह नाचता हुआ लड़का सचमुच डायरेक्टर का बेटा है ?

२) चलते हुए रिकशे से मत उतरो !

३) मैं इस शराब पीते हुए लड़के के पास नहीं बैठूँगा !

४) बच्ची आसमान में चमकते हुए तारों को देख रही थी ।

५) क्लारा हिन्दी में बात करती हुई छात्राओं के पास चली गई ।

Participe aspect accompli :

१) यह फ़्रॉक पहनी हुई बच्ची कितनी प्यारी लग रही है !

२) यह टूटा हुआ खिलौना किसका है ?

३) तुम फ़्रांस से आई हुई छात्रा से कब मिली थीं ?

४) दूसरे कमरे में बैठे हुए लड़के का क्या नाम है ?

५) माँ ने उबला हुआ दूध फ़्रिज में रखा था ।

Autre rappel : le déterminant précède le déterminé :

१) रोती हुई बच्ची छोटू की बहन है, न ?

२) माँ ने उबलते हुए पानी में चाय के पत्ते डाले ।

३) हम बस का इन्तज़ार करती हुई महिला से पूछें ?

Attention ! बस का इन्तज़ार est le complément d'objet direct du verbe करना et n'est pas affecté par la postposition से, का reste donc au cas direct

४) बच्चा मन्दिर से निकलते हुए लोगों के पास चला गया ।

५) क्या तुम ज़ोर से हँसते हुए लड़के को जानती हो ?

Attention ! Ne confondez pas उससे et उसे, équivalent de उसको

१) खुला हुआ दरवाज़ा/खुले हुए दरवाज़े को बन्द करो !

२) मेज़ पर रखी हुई किताबें/किताबों को उठाओ !

३)खिड़की के पास बैठे हुए लड़के को भी चाय दो !

४) ये जले हुए समोसे/इन जले हुए समोसों को मत लीजिए !

५) (मेरी) तुम्हारे (si on considère que le possessif se rapporte à रखना)/अपने (si on considère qu'il se rapporte à करना)/तुम्हारे-अपने (forme renforcée "ton propre") झोले में (मेरी)रखी हुई (मेरी)किताब मुझे वापस करो !

Rappel : la forme adverbiale est obligatoire lorsque le verbe est transitif (exception पहनना → पहना/पहनी/पहने,"vêtu(e)(s)")

रिकशावाला आँखें बन्द किए साहब का इन्तज़ार कर रहा था ।

Pour éviter une confusion possible avec रुके et बैठे qui pourraient, s'il n'y a pas de virgule à l'écrit (à l'oral la pause permettrait de faire la différence) être compris comme se rapportant à साहब, la forme adjectivale permet de lever l'ambiguïté : रिकशावाला दुकान के सामने रुका साहब का इन्तज़ार कर रहा था ।

रिकशावाला फुटपाथ पर बैठा साहब का इन्तज़ार कर रहा था ।

IX - Complétez :

१) निशा मेज़ के नीचे गिरी हुई किताबें उठाते हुए/उठाते-उठाते/उठाती हुई छोटू को समझा रही थी ।

२) लड़की जले हुए समोसों को दिखाते हुए/दिखाती हुई हँस रही थी ।

३) नई छात्रा कुछ किताबें हाथ में लिए बस-स्टॉप पर खड़ी थी ।

४) राहुल को बचपन में नए कपड़े पहनने का मौक़ा कम (ही) मिला था : उसकी माँ उसे उसके चचेरे-ममेरे भाइयों के दिए हुए कपड़े पहनाती थी !

५) रानी एक भारी किताब सिर पर रखे नाचने की कोशिश कर रही थी । उसे देखकर (absolutif : antériorité, causalité) उसकी माँ ज़ोर से चिल्लाई ।

X हिन्दी में अनुवाद कीजिए (Suite)

४) बोरिस, भुनी हुई मूंगफली (ou मूंगफलियाँ) खाते-खाते (खाते हुए/खाता हुआ) (एक) गुलाबी साड़ी पहनी हुई (एक) लड़की से हिन्दी बोलने (हिन्दी में बात करने) की कोशिश कर रहा था ।

५) लेकिन यह उसकी ओर/तरफ़//उसको/उसे ध्यान नहीं दे रही थी : वह (एक) खिड़की के पास बैठे हुए (एक) लड़के को देख रही थी ।